



---

16 Feb 2026

01:37 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121293809

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 16/02/2026  
दिन \_\_\_\_\_: सोमवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 13:37:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 16:34:55 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 13:15:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:14:04 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 23:01:12 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:59:02 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:11:46 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:12:44 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 03:25:51 कुम्भ  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 04:51:36 मिथुन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मिथुन - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मकर - शनि  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: श्रवण - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: चन्द्र  
योग \_\_\_\_\_: वरियान  
करण \_\_\_\_\_: शकुनि  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: वानर  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मार्जार  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: खे-खेमचन्द  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

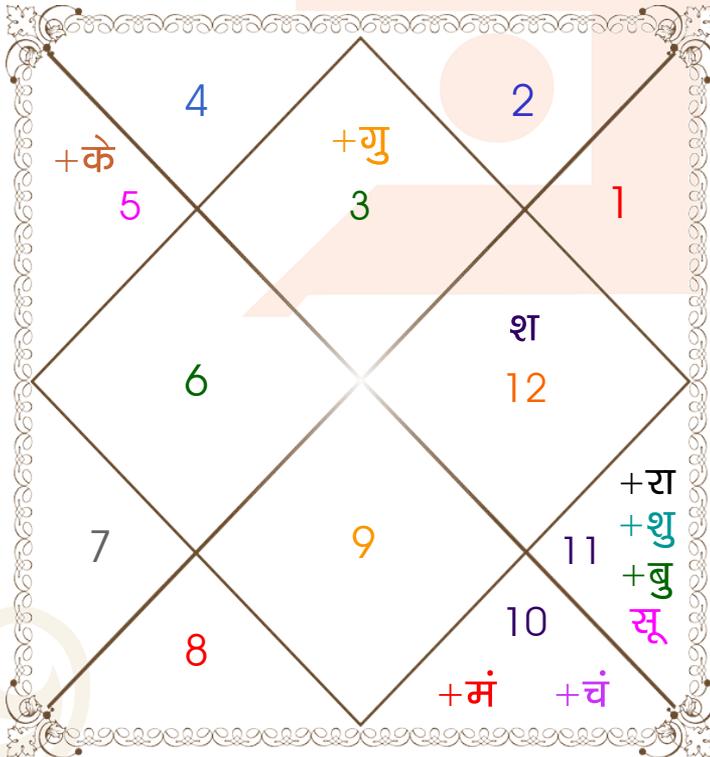
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:51:36	332:22:00	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	03:25:51	01:00:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:28:27	12:51:46	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल	अ		मक	24:32:45	00:47:14	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	20:55:26	01:21:10	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:42:20	00:04:22	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	अ		कुंभ	13:10:28	01:15:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	06:02:04	00:06:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व	अ	कुंभ	14:44:05	00:01:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:05	00:01:10	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:18:08	00:00:39	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:22:56	00:01:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:56:52	00:01:48	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	19:49:16	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	मंगल	--

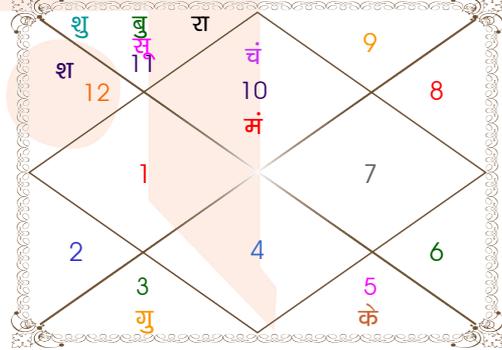
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

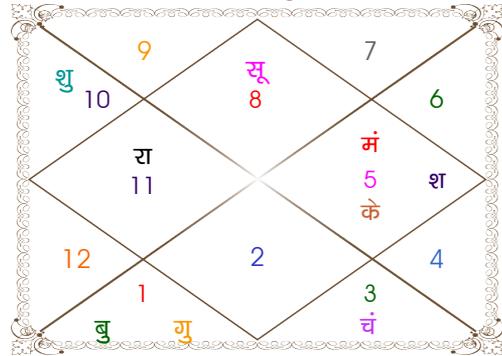
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 10 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
16/02/2026	08/01/2029	09/01/2036	08/01/2054	08/01/2070
08/01/2029	09/01/2036	08/01/2054	08/01/2070	08/01/2089
00/00/0000	मंगल 06/06/2029	राहु 21/09/2038	गुरु 27/02/2056	शनि 11/01/2073
00/00/0000	राहु 25/06/2030	गुरु 14/02/2041	शनि 09/09/2058	बुध 21/09/2075
00/00/0000	गुरु 01/06/2031	शनि 22/12/2043	बुध 15/12/2060	केतु 30/10/2076
00/00/0000	शनि 10/07/2032	बुध 10/07/2046	केतु 21/11/2061	शुक्र 31/12/2079
16/02/2026	बुध 07/07/2033	केतु 29/07/2047	शुक्र 22/07/2064	सूर्य 12/12/2080
बुध 10/04/2026	केतु 03/12/2033	शुक्र 28/07/2050	सूर्य 10/05/2065	चंद्र 13/07/2082
केतु 09/11/2026	शुक्र 02/02/2035	सूर्य 22/06/2051	चंद्र 09/09/2066	मंगल 22/08/2083
शुक्र 10/07/2028	सूर्य 10/06/2035	चंद्र 21/12/2052	मंगल 16/08/2067	राहु 28/06/2086
सूर्य 08/01/2029	चंद्र 09/01/2036	मंगल 08/01/2054	राहु 08/01/2070	गुरु 08/01/2089

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
08/01/2089	09/01/2106	09/01/2113	09/01/2133	10/01/2139
09/01/2106	09/01/2113	09/01/2133	10/01/2139	00/00/0000
बुध 07/06/2091	केतु 08/06/2106	शुक्र 11/05/2116	सूर्य 29/04/2133	चंद्र 10/11/2139
केतु 03/06/2092	शुक्र 08/08/2107	सूर्य 11/05/2117	चंद्र 28/10/2133	मंगल 10/06/2140
शुक्र 04/04/2095	सूर्य 14/12/2107	चंद्र 10/01/2119	मंगल 05/03/2134	राहु 10/12/2141
सूर्य 08/02/2096	चंद्र 14/07/2108	मंगल 11/03/2120	राहु 28/01/2135	गुरु 11/04/2143
चंद्र 10/07/2097	मंगल 10/12/2108	राहु 12/03/2123	गुरु 16/11/2135	शनि 09/11/2144
मंगल 07/07/2098	राहु 28/12/2109	गुरु 10/11/2125	शनि 28/10/2136	बुध 17/02/2146
राहु 24/01/2101	गुरु 04/12/2110	शनि 09/01/2129	बुध 04/09/2137	00/00/0000
गुरु 02/05/2103	शनि 13/01/2112	बुध 10/11/2131	केतु 09/01/2138	00/00/0000
शनि 09/01/2106	बुध 09/01/2113	केतु 09/01/2133	शुक्र 10/01/2139	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात् शरीर से दुबले लंबे एवं आर्य आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रुख रखते हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रुख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दो कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नहीं रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नहीं कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्ति का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नहीं पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नहीं होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नहीं मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकर्ते, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुएँजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नहीं हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।